Roll No.

Sl No. 10309
UPC: 2113200009
Paper Name: DSE Introduction to Psychology of Gender
Course: BA Programme Psychology
Semester: VII
Time: 3 hours Maximum Marks: 90

Instructions:

- Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
  जैसे ही यह प्रश्नपत्र प्राप्त हो, तुरंत ऊपर अपना रोल नंबर लिखिए।
- This paper has two sections, Section A and Section B.
  इस प्रश्नपत्र में दो अनुभाग हैं — अनुभाग A और अनुभाग B।
- Each section is compulsory.
  प्रत्येक अनुभाग अनिवार्य है।
- Attempt any three out of five questions in each section.
  प्रत्येक अनुभाग में से पाँच प्रश्नों में से किसी भी तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

Note: - Answers may be written either in English or Hindi, but the same medium should be used throughout the paper.

नोट:- उत्तर अंग्रेजी या हिंदी में लिखे जा सकते हैं, लेकिन पूरे पेपर में एक ही माध्यम का उपयोग किया जाना चाहिए।

Section A

Attempt any THREE questions

कोई भी तीन प्रश्न हल करें

(3X20 = 60 marks)

1. Differentiate between sex and gender. Explain how gender is socially constructed in everyday life. (5, 15 marks)
   लिंग और लैंगिक पहचान में अंतर स्पष्ट कीजिए। समझाइए कि रोजमर्रा की जिंदगी में लैंगिक पहचान का सामाजिक निर्माण कैसे होता है। (5, 15 अंक)

2. Explain the concept of gender stereotypes. With reference to gender stereotypes, elaborate on Gender Schema Theory. (5, 15 marks)

लिंग संबंधी रूढ़ियों की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए। लिंग संबंधी रूढ़ियों के संदर्भ में, लिंग स्कीमा सिद्धांत पर विस्तार से चर्चा कीजिए। (5, 15 अंक)

3. Explain cognitive development theory of gender development. Critically analyse its importance in explaining the role of gender in human behaviour. (10, 10 marks)
लिंग विकास के संज्ञानात्मक विकास सिद्धांत की व्याख्या कीजिए। मानव व्यवहार में लिंग की भूमिका को समझाने में इसके महत्व का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। (10, 10 अंक)

4. Explain how disability is a dynamic continuum. Explain how social stigma shapes the inequities for LGBT individuals. (10, 10 Marks)
स्पष्ट कीजिए कि विकलांगता किस प्रकार एक गतिशील निरंतरता (dynamic continuum) है।समझाइए कि सामाजिक लांछन किस प्रकार LGBT व्यक्तियों के लिए असमानताओं को आकार देता है। (10, 10 अंक)

5. Explain the concept of gender-neutral parenting. Describes its importance in fostering a healthy developmental trajectory. (10, 10 Marks)
जेंडर-न्यूट्रल पालन-पोषण की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। स्वस्थ विकासात्मक पथ को प्रोत्साहित करने में इसके महत्व का वर्णन कीजिए। (10, 10 अंक)

Section B

Attempt any THREE (3X10 = 20 marks)

कोई भी तीन प्रश्न हल करें

a) Sex differences in intelligence.
बुद्धिमत्ता में लैंगिक अंतर

b) Social Cognitive Theory of gender development.
जेंडर विकास का सामाजिक संज्ञानात्मक सिद्धांत

c) Masculinity–Femininity as a Global Personality Trait.
वैश्विक व्यक्तित्व गुण के रूप में पौरुषत्व–स्त्रीत्व

d) Biological perspective of gender development.
जेंडर विकास का जैविक परिप्रेक्ष्य

e) Gender Equity
लैंगिक समानता